NEWS CLIPPING:30.04.2022

THE IMPRESSIVE TIMES

SCIENCE CONCLAVE-2022 CONCLUDES AT JC BOSE UNIVERSITY

FARIDABAD(TIT NEWS): The two-day Science Conclave-2022 organized by JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad concluded today. The event was sponsored by Haryana State Council for Science, Innovation and Technology (HSCSIT) to mark the celebration of Azadi ka Amrit Mahotsav. The exhibition of Science and Technology Projects by the students of various schools and colleges, Media Portfolio Exhibition by the University's media students and expert lectures were the main attraction on the second day of the event. In the morning session of invited lectures by prominent personalities, National Organising Secretary of Vijnana Bharati, New Delhi, Sh. Jayant Sahasrabudhe was key-speaker. The session was presided over by the Vice-Chancellor Prof. S.K. Tomar. The session was also addressed by National Secretary of Vijnana Bharati Sh. Parveen Ramdas, Director of Aayush Dr. Rakesh Sharma, Senior Journalist and Writer Sh. Atul Gangwar and Chief Media Advisor of Isha Creative Vision Sh. Deepak Parvatiyar. Registrar Dr. S.K. Garg was also present on this occasion. The session was convened by Dr. Sonia Bansal. In his keynote address, Sh. Jayant Sahasrabudhe recalled the role of Indian Scientists during the Indian Independence Movement and said the young generation should know the role of great Indian scientists who worked against the odds imposed during the British rule and made the country proud in the field of science. He quoted the contributions of JC Bose, CV Raman, PC Roy, P.N. Bose and S.N. Bose recalled how Jagadish Chandra Bose opposed the injustice being meted out by the British colonial rulers to Indian scientists. He explained how the patriotic fervour exhibited by several scientists in India added to the spirit of the nationalist movement. Those scientists strived to regain the identity of India from the hands of the invaders. The younger generation should take inspiration from great Indian scientists, he added. Describing 'Sanskrit' as the only scientific language, Sh. Sahasrabudhe recalled the contribution of Indian Sanskrit grammarian Panini and his text Ashtadhyayi. He said that the Britishers belittled our culture, reiterated that Sanskrit was a dead language. Today, Sanskrit is the most suitable language for machine learning and even artificial intelligence, he added. The expert lecture sessions were delivered by Dr. K.S. Arya, Former Principal of DAV College, Chandigarh, Prof. Pawan Sharma from Kurukshetra University, Prof. R. K. Moudgil from Kurukshetra University and Dr Jayanti Dutta from Panjab University, Chandigarh.

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:30.04.2022

PIONEER

जेसी बोस में दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन सम्पन्न

स्कूल साइंस मॉडल और स्कूल टेक्नोलॉजी में मॉडर्न बीपी पब्लिक स्कूल ने लिया पहला स्थान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन-2022 संपन्न हुआ। यह आयोजन हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा किया गया था। दूसरे दिन विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी, विवि के मीडिया छात्रों द्वारा मीडिया पोर्टफोलियो प्रदर्शनी और विशेषज्ञ व्याख्यान आकर्षण रहे।

विज्ञान भारती, नई दिल्ली के राष्ट्रीय आयोजन सचिव जयंत सहस्त्रबुद्धे मुख्य वक्ता थे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसके तोमर ने की। सत्र को विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण रामदास, आयुष के निदेशक डॉ. राकेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अतुल गंगवार और ईशा क्रिएटिव विजन के मुख्य मीडिया सलाहकार दीपक पार्वतीयार ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग भी मौजूद थे। सत्र का संचालन डॉ. सोनिया बंसल ने किया। अपने संबोधन में 'संस्कृत' को एकमात्र वैज्ञानिक भाषा बताते हुए जयंत सहस्त्रबुद्धे ने भारतीय संस्कृत व्याकरणविद् पाणिनी और उनके ग्रंथ अष्टाध्यायी के योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने हमारी संस्कृति का अपमान किया और संस्कृत को एक मृत भाषा बताया। आज संस्कृत मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए सबसे उपयुक्त भाषा है। विश्व प्रकाश मिशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी राकेश सेठी मुख्य अतिथि रहे। सत्र के दौरान डॉ सोनिया बंसल ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की और संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग अध्यक्ष डॉ पवन सिंह मलिक ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस दौरान सम्मेलन के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये।

विज्ञान सम्मेलन की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थी अतिथिगण के साथ।

स्कूल साइंस मॉडल कैटेगरी में मॉडर्न बीपी पब्लिक स्कूल ने पहला, जीएसएस भूपानी स्कूल ने दूसरा और प्रिंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने तीसरा स्थान हासिल किया। स्कूल टेक्नोलॉजी कैटेगरी में मॉडर्न बीपी स्कूल ने प्रथम पुरस्कार जीता। अग्रवाल स्कूल बल्लभगढ़ और गवर्नमेंट बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। कॉलेज साइंस कैटेगरी में शहीद स्मारक गवर्नमेंट पीजी कॉलेज ने प्रथम, जेसी बोस विवि ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। जवाहरलाल नेहरू कालेज और अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ ने तीसरा स्थान साझा किया।

NEWS CLIPPING:30.04.2022

AAJ SAMAJ

महान भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी : जयंत

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन-2022 आज संपन्न हो गया। यह आयोजन हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष में प्रायोजित किया गया था।

आयोजन के दूसरे दिन विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय के मीडिया छात्रों द्वारा मीडिया पोर्टफोलियो प्रदर्शनी और विशेषज्ञ व्याख्यान मुख्य आकर्षण रहे। दो दिवसीय साइंस कॉन्क्लेव में लगभग 20 स्कूल एवं कॉलेज के 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और प्रदर्शनी थीम पर लगभग 75 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए गए। सम्मेलन के दूसरे दिन आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत विज्ञान भारती, नई दिल्ली के राष्ट्रीय आयोजन सचिव जयंत सहस्त्रबुद्धे मुख्य वक्ता थे तथा सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसके तोमर ने की। सत्र को विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण रामदास, आयुष के निदेशक डॉ. राकेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अतुल गंगवार और ईशा क्रिएटिव विजन के मुख्य मीडिया सलाहकार दीपक पार्वतीयार ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग भी मौजूद थे।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थी अतिथियों के साथ।

सत्र का संचालन डॉ. सोनिया बंसल ने किया। अपने संबोधन में जयंत सहस्त्रबुद्धे ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भारतीय वैज्ञानिकों की भूमिका को याद किया और कहा कि युवा पीढ़ी को महान भारतीय वैज्ञानिकों की भूमिका को जानना चाहिए जिन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान तमाम बाधाओं के बावजूद बेहतरीन वैज्ञानिक कार्य किया और देश को विज्ञान के क्षेत्र में गौरवान्वित किया। विशेषज्ञ व्याख्यान सत्र को डीएवी कॉलेज, चंडीगढ़ के पूर्व प्राचार्य डॉ. केएस आर्य, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से प्रो. पवन शर्मा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से प्रो. आरके मौदगिल और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से डॉ जयंती दत्ता ने भी संबोधित किया। बाद में समापन सत्र में विश्व प्रकाश मिशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी राकेश सेठी मुख्य अतिथि रहे। सत्र के दौरान डॉ सोनिया बंसल ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की और संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग अध्यक्ष डॉ पवन सिंह मलिक ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस दौरान सम्मेलन के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:30.04.2022

HINDUSTAN

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में चल रहे विज्ञान सम्मेलन का दूसरे दिन शुक्रवार को दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। • हिन्दुस्तान

NEWS CLIPPING:30.04.2022

AMAR UJALA

विज्ञान प्रोजेक्ट की प्रदर्शनी लगाई

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में चल रहा दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन-2022 शुक्रवार को संपन्न हो गया। इसका आयोजन हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में किया गया था।

दूसरे दिन विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी, विश्वविद्यालय के मीडिया छात्रों की ओर से मीडिया पोर्टफोलियो प्रदर्शनी और विशेषज्ञ व्याख्यान मुख्य आकर्षण रहा। इस मौके पर विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण रामदास, आयुष के निदेशक डॉ. राकेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अतुल गंगवार और ईशा क्रिएटिव विजन के मुख्य मीडिया सलाहकार दीपक ने संबोधित किया। संवाद